



HDFC MF

वीकेंड बाइट्स

HDFC म्यूचुअल फंड की एक साप्ताहिक श्रृंखला

बाज़ार के ठहराव के दौर का पूरा लाभ उठाने का लक्ष्य रखें!



hdfcfund.com

This content has been created with the assistance of Artificial Intelligence.

HDFC Mutual Fund: SEBI Registration Number: MF/044/00/6

उदाहरण:



रिया

हाय जान्वी, कैसी हो?

मैं ठीक हूँ, तुम बताओ? क्या अब निवेश को लेकर सहज हो?

जान्वी

रिया

मैं भी ठीक हूँ, पर बाज़ार जिन चक्रों से गुज़रते हैं, उनसे नहीं। बाज़ार कुछ समय से एक दायरे में ही घूम रहे हैं। हर बार ऊपर जाता है और फिर नीचे लौट आता है। ठहराव के इस दौर (कंसॉलिडेशन) में मुझे क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, घबराओ मत। बाज़ार में ठहराव निवेश का एक सामान्य हिस्सा है। ऐसा अक्सर तब होता है, जब बाज़ार अगली चाल से पहले थमते हैं।

जान्वी

रिया

पर अगर बाज़ार कहीं जा ही नहीं रहा, तो अभी निवेश करने का क्या मतलब?

बाज़ार किधर जाएगा, यह अनुमान लगाने के बजाय, HDFC FTSE India Equity ETF जैसे व्यापक-बाज़ार ETF के ज़रिए निवेशित बने रहने पर विचार करो। इससे तुम अलग-अलग शेयर चुने बिना भारत के इक्विटी बाज़ार में भाग ले सकती हो।

जान्वी

रिया

मैंने HDFC Mutual Fund के NFO के बारे में सुना था। क्या तुम इस स्कीम को और समझने में मेरी मदद करोगी?

ज़रूर, यह स्कीम FTSE India Equity Index (TRI) का अनुसरण करती है, जिसमें FTSE India All Cap Index का ~90% बाज़ार पूंजीकरण शामिल है।

(स्रोत: FTSE Russell. आँकड़े 31 अगस्त 2026 तक। विस्तृत पद्धति के लिए, कृपया यहाँ क्लिक करें)। यानी एक ही निवेश के ज़रिए 20 सेक्टरों (31 अगस्त 2026 तक) में फैली कंपनियों की विस्तृत शृंखला (31 अगस्त 2026 तक 276) में हिस्सेदारी। सूचकांक के शीर्ष 10 घटकों का भारांक 30% से कम है, इसलिए सूचकांक का 70% से अधिक भारांक शेष 266 कंपनियों में फैला है।
(स्रोत: FTSE Russell, आंतरिक गणना। 31 अगस्त 2026 तक)

जान्वी

(31 अगस्त 2026 तक FTSE India Equity Index के शीर्ष 10 घटकों और सेक्टर वितरण के लिए परिशिष्ट देखें)

रिया

तो, ठहराव के दौर में सोच यह है कि अगली तेज़ी का इंतज़ार करने के बजाय निवेशित रहें। सही?

बिल्कुल! यही सबसे अहम सीख है। ठहराव के दौर निवेशकों के धैर्य की परीक्षा ले सकते हैं, पर निवेशित रहने से बाज़ार में वृद्धि के अगले चरण में हिस्सेदारी पाने में मदद मिलती है।

जान्वी

रिया

बात समझ में आती है। बाज़ार की हर चाल की चिंता करने के बजाय, मैं निवेशित रहना पसंद करूँगी। तुम्हारे हिसाब से, भारत की विकास गाथा पर ध्यान क्यों देना चाहिए?

भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसके पास युवा और कुशल कार्यबल है। नीतिगत ढाँचे और सुधार, स्थिर व्यापक आर्थिक कारक, बुनियादी ढाँचे और विनिर्माण पर ज़ोर, और अनुकूल जनसांख्यिकीय लाभांश, दीर्घकालिक वृद्धि और उत्पादकता के लिए सहायक हैं। भारतीय इक्विटी बाज़ारों का आकार और गहराई काफ़ी बढ़ी है, और कंपनियों की बढ़ती आय व बाज़ार पूंजीकरण से विभिन्न सेक्टरों में दीर्घकालिक निवेश अवसरों का दायरा बढ़ा है।

जान्वी

रिया

समझ गई, समझाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

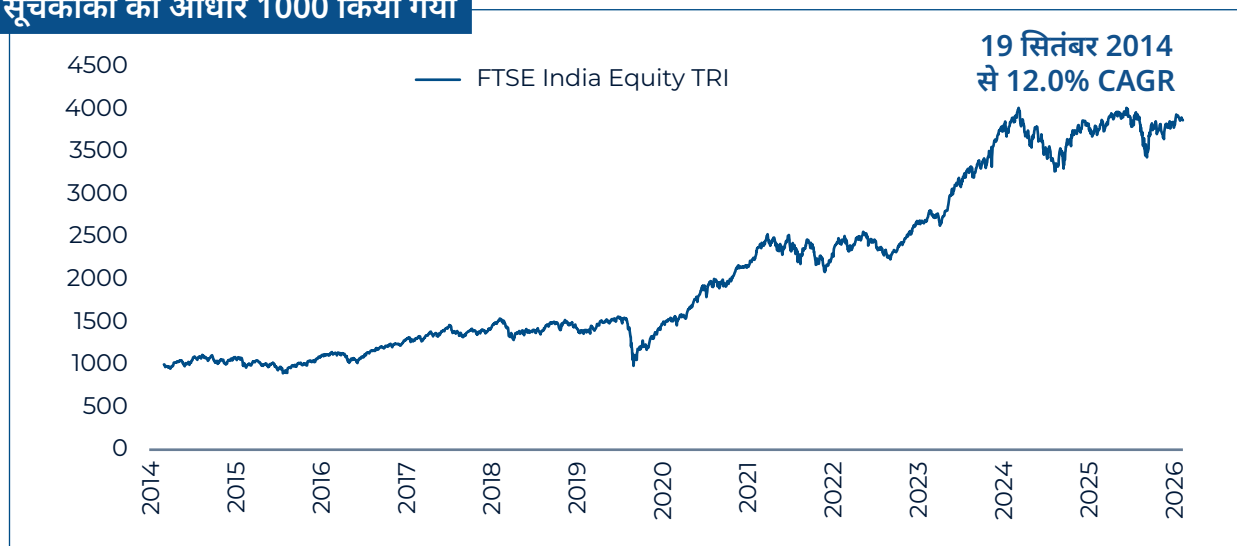
▶ विभिन्न अवधियों में FTSE India Equity Index TRI का प्रदर्शन

FTSE India Equity TRI (Total Return Index) ने लंबी अवधियों में अच्छे रिटर्न दिए हैं। 31 अगस्त 2026 तक 10 वर्ष का CAGR* 13.3% था।

रिटर्न अवधि	31 अगस्त 2026 तक CAGR*
	FTSE India Equity TRI
1 वर्ष	3.4%
3 वर्ष	13.0%
5 वर्ष	12.4%
7 वर्ष	15.7%
10 वर्ष	13.3%



सूचकांकों का आधार 1000 किया गया



स्रोत: FTSE Russell और आंतरिक गणना। 31 अगस्त 2026 तक। पिछला प्रदर्शन भविष्य में बना रह भी सकता है और नहीं भी, तथा यह किसी भी भावी रिटर्न की गारंटी नहीं है। **HDFC AMC/Mutual Fund** किसी रिटर्न की गारंटी, वादा या पूर्वानुमान नहीं दे रहा है। *CAGR: चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर। FTSE India Equity TRI की शुरुआत की तिथि 19 सितंबर 2014 है।

▶ FTSE Emerging Index की तुलना में FTSE India Equity Index का प्रीमियम कई वर्षों के निचले स्तर पर है, जिससे FTSE India Equity Index में हिस्सेदारी चाहने वाले निवेशकों के लिए प्रवेश का एक अवसर बनता है।

स्रोत: FTSE Russell, आंतरिक गणना। प्रीमियम की परिभाषा [(FTSE India Equity Index PE / FTSE Emerging Index PE) - 1] है। 31 अगस्त 2026 तक। FTSE Emerging Index निवेशकों को उभरते बाजारों की सबसे अधिक तरल लार्ज और मिड कैप कंपनियों के प्रदर्शन को मापने का एक व्यापक साधन देता है। TRI.

► FTSE India Equity Index TRI की विशेषताएँ

The FTSE India Equity Index TRI:

- ✓ FTSE India All Cap Index के ~90% बाज़ार पूंजीकरण को शामिल करता है (स्रोत: FTSE Russell. 31 अगस्त 2026 तक।)
- ✓ कई शेयरों और सेक्टरों में विविधीकरण देता है
- ✓ FTSE India Equity TRI ने लंबी अवधियों में अच्छे रिटर्न दिए हैं

► जोखिम और उन्हें घटाने के उपाय

चूँकि स्कीम का लक्ष्य खर्चों से पहले FTSE India Equity Index (TRI) का अनुसरण करना है, इसलिए यह स्वाभाविक रूप से व्यापक बाज़ार की चालों से प्रभावित होती है, जिनका स्कीम के प्रदर्शन पर सीधा असर पड़ेगा। सूचकांक-आधारित (पैसिव) रणनीति होने के कारण, स्कीम अंतर्निहित सूचकांक के शेयर संकेंद्रण और अस्थिरता के स्वरूप को ही दर्शाएगी, केवल ट्रेडिंग एरर के अधीन। फंड मैनेजर के सक्रिय निर्णयों से कोई अतिरिक्त जोखिम नहीं होगा, क्योंकि स्कीम अपने विवेक से शेयर या सेक्टर आवंटन नहीं करती।

फंड मैनेजर अनुशासित पुनर्संतुलन, कुशल निष्पादन और नकदी को व्यावहारिक रूप से न्यूनतम स्तर पर रखकर ट्रेडिंग एरर घटाने का प्रयास करेंगे। हालाँकि इन उपायों से उपरोक्त जोखिमों के काफ़ी हद तक कम होने की अपेक्षा है, फिर भी इसका कोई आश्वासन नहीं है कि ये जोखिम पूरी तरह समाप्त हो जाएँगे।

► निष्कर्ष

भारत कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं से तेज़ी से बढ़ रहा है और इसकी आर्थिक बुनियाद स्थिर है। **HDFC FTSE India Equity ETF** एक ही निवेश से भारत के व्यापक इक्विटी बाज़ार में निवेश का एक तरीका देता है, जिसमें 276 कंपनियाँ और 20 सेक्टर शामिल हैं

(स्रोत: FTSE Russell, AMFI Industry Classification, आंतरिक गणना। 31 अगस्त 2026 तक।)



निवेशक HDFC FTSE India Equity ETF के ज़रिए भारत की व्यापक विकास गाथा में भागीदार बन सकते हैं (NFO 23 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक)

HDFC Bank (HDFC Mutual Fund का प्रायोजक) स्कीम के संचालन से होने वाले किसी भी नुकसान या कमी के लिए उत्तरदायी या ज़िम्मेदार नहीं है।

परिशिष्ट:

FTSE India Equity Index TRI के शीर्ष 10 घटक

कंपनी का नाम	भारांक (%)
Reliance Industries Ltd.	5.33%
HDFC Bank Ltd. [£]	5.02%
ICICI Bank Ltd.	4.79%
Bharti Airtel Ltd.	3.42%
Infosys Ltd.	2.39%
Mahindra & Mahindra Ltd.	1.89%
Axis Bank Ltd.	1.86%
Bajaj Finance Ltd.	1.79%
Larsen & Toubro Ltd.	1.70%
Tata Consultancy Services Ltd.	1.52%
शीर्ष 10 घटकों का कुल योग	29.72%

£ HDFC Mutual Fund का प्रायोजक

स्रोत: FTSE Russell, AMFI Industry Classification, आंतरिक गणना। 31 अगस्त 2026 तक।

FTSE India Equity Index TRI का सेक्टर वितरण

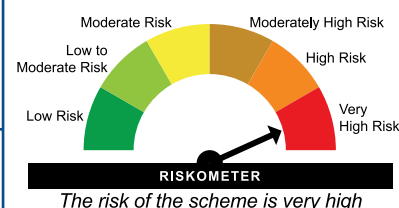
सेक्टर का नाम	भारांक (%)
वित्तीय सेवाएँ	28.2%
तेल, गैस और उपभोग्य ईंधन	8.3%
वाहन और वाहन कलपुर्जें	8.0%
सूचना प्रौद्योगिकी	7.5%
स्वास्थ्य सेवा	7.4%
पूंजीगत वस्तुएँ	7.2%
धातु और खनन	4.8%
तेज़ी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएँ	4.7%
दूरसंचार	4.2%
बिजली	3.9%
उपभोक्ता सेवाएँ	3.8%
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएँ	3.2%
निर्माण सामग्री	2.2%
निर्माण	1.8%
सेवाएँ	1.7%
रसायन	1.7%
अचल संपत्ति	1.2%
कपड़ा	0.1%
विविध	0.1%
मीडिया, मनोरंजन और प्रकाशन	0.0%

स्रोत: FTSE Russell, AMFI Industry Classification, आंतरिक गणना। 31 अगस्त 2026 तक।

HDFC FTSE India Equity ETF (An open ended scheme replicating/tracking the FTSE India Equity Index (TRI)) is suitable for investors who are seeking*

- Returns that are commensurate (before fees and expenses) with the performance of the FTSE India Equity Index (TRI), over long term, subject to tracking error.
- Investment in equity securities covered by the FTSE India Equity Index (TRI)

*Investors should consult their financial advisers, if in doubt about whether the product is suitable for them
 #The product labeling assigned during the NFO is based on internal assessment of the scheme characteristics or model portfolio and the same may vary post NFO when the actual investments are made. For latest riskometer, investors may refer to the Monthly Portfolios disclosed on the website of the Fund viz. www.hdfcfund.com

Riskometer#


FTSE Russell Disclaimer: The HDFC FTSE India Equity ETF (the "Product") has been developed solely by HDFC Asset Management Company Limited. The Product is/are not in any way connected to or sponsored, endorsed, sold or promoted by the London Stock Exchange Group plc and its group undertakings (collectively, the "LSE Group"). FTSE Russell is a trading name of certain of the LSE Group companies. All rights in the FTSE India Equity Index (the "Index") vest in the relevant LSE Group company which owns the Index. "FTSE®", "Russell®", "FTSE Russell®", "ICB" is/are a trade mark(s) of the relevant LSE Group company and is/are used by any other LSE Group company under license. The Index is calculated by or on behalf of FTSE International Limited or its affiliate, agent or partner. The LSE Group does not accept any liability whatsoever to any person arising out of (a) the use of, reliance on or any error in the Index or (b) investment in or operation of the Product. The LSE Group makes no claim, prediction, warranty or representation either as to the results to be obtained from the Product or the suitability of the Index for the purpose to which it is being put by HDFC Asset Management Company Limited.

HDFC Bank (Sponsor of HDFC Mutual Fund) is not liable or responsible for any loss or shortfall resulting from the operations of the scheme.

Views expressed above are indicative and should not be construed as investment advice or as a substitute for financial planning. Due to the personal nature of investments, investors are advised to seek professional advice before investing.

The translation of this document is done through AI. AI can make mistakes.

Please refer to the original English document in case of any doubts.

**MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS,
 READ ALL SCHEME RELATED DOCUMENTS CAREFULLY.**

Mission: To be the wealth creator for every Indian

Vision: To be the most respected asset manager in the world